पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक : सत्येन्द्र राजवंशी   मो. 9587570001   Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : रविवार 28 जून 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

मंत्री ने खुद के मंत्रालय से 99 लाख सब्सिडी ली : भागीरथ चौधरी बोले- मैंने कुछ छिपाकर नहीं किया; कांग्रेस ने कहा-मोदी सरकार में लूट मची है

नई दिल्ली एजेन्सी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड (NHB) से खुद के फार्म पर 99.60 लाख रुपए की सब्सिडी लेने का खुलासा हुआ है। इसके बाद सियासी विवाद हो गहरा गया है। भागीरथ चौधरी को इसी साल मार्च में परबतसर के पीह गांव में फार्म पर पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए सब्सिडी मंजूर हुई थी।

आरोप है कि नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड से चौधरी के फार्म पर 16,592 वर्ग मीटर में खीरे की पॉली हाउस में खेती के लिए सब्सिडी मंजूर की गई। देश में किसानों के ऐसे 457 प्रोजेक्ट मंजूर हुए, इनमें चौधरी का भी एक प्रोजेक्ट था। रिपोर्ट के मुताबिक चौधरी केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री होने के साथ बोर्ड के उपाध्यक्ष हैं। इसे हितों का सीधा टकराव माना जा रहा है। इस खुलासे के बाद कांग्रेस हमलावर है।

वहीं भागीरथ चौधरी ने कहा- मैंने कुछ छिपाकर थोड़े ही किया है। हजारों किसान पॉली हाउस और फार्म पॉन्ड पर सब्सिडी ले रहे हैं। उसी तरह किसान के नाते मैंने सब्सिडी ली है। मैं मेरे फार्म पर किसानों को लेकर जाता हूं और वहां उन्नत और प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग देता हूं। मेरे यहां कलेक्टर, एसडीएम फार्म विजिट पर आए हैं।

नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड बागवानी, फसलों और सब्जियों की कॉमर्शियल फसल लेने के लिए चुनिंदा प्रगतिशील किसानों को 1 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी देता है। नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड ?शिमला मिर्च, खीरा, टमाटर के साथ गुलाब सहित फूलों की आठ वैरायटी की उन्नत खेती के लिए सब्सिडी देता है। हर परिवार को प्रोजेक्ट लागत की 50 फीसदी सब्सिडी मिलती है। कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी अपने ही मंत्रालय वाले बोर्ड की स्कीम के लाभार्थी बने हैं।

चौधरी बोले- सब्सिडी वाला विभाग मेरा नहीं, राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के पास

भागीरथ चौधरी ने कहा- हम दो कृषि राज्य मंत्री हैं। पॉली हाउस, कोल्ड स्टोरेज की सब्सिडी वाला विभाग दूसरे राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के पास है। मेरे पास यह विभाग नहीं है। मैं किसान हूं और बचपन से ही खेती करते आए हैं। योजना की गाइडलाइन के आधार पर मैंने अपने फार्म पर पॉली हाउस लगाया था। जहां मैंने पॉली हाउस लगाया, वहां जमीन का पानी नहीं है। मैंने 2 करोड़ लीटर क्षमता के चार फार्म पोंड बनाकर पॉलीहाउस की छत से पानी इकट्ठा किया।

इस बारिश के पानी से मैं साल भर उन्नत खेती कर रहा हूं। पॉली हाउस में मैं खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च, धनिया की फसल लेता हूं।

कांग्रेस नेताओं का मंत्री और केंद्र सरकार पर हमला

केंद्रीय मंत्री के खुद के मंत्रालय की स्कीम में सब्सिडी लेने पर राजस्थान में सियासी विवाद हो गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के राष्ट्रीय महसचिव सचिन पायलट ने खुलासे के बाद केंद्र सरकार और मंत्री पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है।

गहलोत बोले- मंत्री अपने ही मंत्रालय से सब्सिडी ले रहे

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भागीरथ चौधरी पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा- मोदी सरकार में भ्रष्टाचार के नए मॉडल और हितों के टकराव का एक बड़ा उदाहरण देश के सामने आया है। इसमें केंद्रीय मंत्री और केंद्र सरकार में पदस्थ आईएएस अधिकारी पर आरोप लग रहे हैं। जब देश के कृषि राज्य मंत्री ही अपने मंत्रालय की योजना से अपने खेत के लिए करीब एक करोड़ रुपए की सब्सिडी मंजूर करवा ले तो इसे आप क्या कहेंगे?

किसान परेशान, मंत्रियों,अफसरों पर मेहरबानी

गहलोत ने लिखा- एक तरफ आम किसान सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर थक जाता है। दूसरी तरफ भाजपा के मंत्रियों और चहेते अफसरों के परिवारों पर करोड़ों की सरकारी मेहरबानी हो रही है। चाहे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से जुड़ा मामले हो या केंद्रीय मंत्रियों के ये कारनामे। भ्रष्टाचार के इन नए और संस्थागत तरीकों पर प्रधानमंत्री की 'रहस्यमयी चुप्पी' आखिर क्या दर्शाती है?

डोटासरा बोले- मोदी सरकार में लूट मची है

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा- मोदी सरकार में लूट मची है। मंदिरों में चंदे की लूट, जमीने कौड़ियों में लेने की लूट, किसानों की सरकारी सब्सिडी हथियाने की लूट, क्या लूट मची है। किसान दर-दर भटक रहे हैं। मोदी के मंत्री अपने ही मंत्रालय की योजना से 1 करोड़ की सब्सिडी हासिल कर रहे हैं। डोटासरा ने लिखा- रिपोर्ट बता रही है कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने अपने ही मंत्रालय के तहत संचालित राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की योजना में करीब 99.6 लाख रुपए की सब्सिडी स्वीकृत करा ली। सबसे गंभीर सवाल ये है कि कृषि राज्य मंत्री होने के नाते वे उसी बोर्ड के पदेन उपाध्यक्ष भी हैं, जिसने इस योजना को मंजूरी दी। किसानों का हक लूटने के साथ ये हितों के टकराव का भी गंभीर मामला है। मंत्री की जगह इस योजना का लाभ किसी योग्य और जरूरतमंद किसान को भी मिल सकता था, लेकिन उसका हक मारा गया।

पायलट बोले- मंत्री बोर्ड के उपाध्यक्ष हैं और सब्सिडी ले रहे

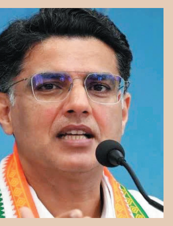

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने एक्स पर लिखा- जब केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री स्वयं हॉर्टिकल्चर बोर्ड के उपाध्यक्ष हैं तो क्या यह मामला हितों के टकराव से जुड़ा हुआ नहीं है? इसी प्रकार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिजनों पर उज्जैन में बड़े पैमाने पर जमीन खरीद से जुड़े बेहद गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला भी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर बड़े प्रश्नचिह्न खड़े करता है। पायलट ने लिखा- इन सभी मामलों की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए, जिससे देश की जनता के सामने सच्चाई आए।

डिजिटल राजस्थान बनाने का लिया संकल्प: स्टार्टअप, नवाचार और डिजिटल क्षेत्र की 20 से अधिक प्रतिभाओं को मिला सम्मान

जयपुर कासं। तकनीक, स्टार्टअप और डिजिटल क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को एक मंच पर लाने के लिए शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में डिजिमोहे फ्यूचर इम्पैक्ट टेक अवॉर्ड्स-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर के स्टार्टअप संस्थापक, उद्योगपति, शिक्षाविद, आईटी विशेषज्ञ, डिजिटल क्रिएटर्स और युवा उद्यमियों ने भाग लिया।

समारोह में तकनीक, शिक्षा, उद्यमिता, नवाचार और डिजिटल क्रिएशन के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली 20 से अधिक प्रतिभाओं और संस्थानों को सम्मानित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने डिजिटल इंडिया के साथ डिजिटल राजस्थान बनाने का संकल्प लेते हुए प्रदेश को देश के अग्रणी टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

आईटी विस्तार से बदलेगा प्रदेश का भविष्य

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद मंजू शर्मा और वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम संयोजक पंकज गुप्ता ने कहा कि तकनीक आधारित नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उद्योग, शिक्षण संस्थानों और युवाओं के बीच मजबूत साझेदारी जरूरी है। सह-संयोजक मानव जैन ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से राजस्थान में आईटी और डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य उज्ज्वल है। पैनल चर्चा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, साइबर सुरक्षा, स्किल डेवलपमेंट, रोजगार, स्टार्टअप फंडिंग, ऑटोमेशन और टियर-2 शहरों में उद्यमिता की संभावनाओं पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि तकनीकी दक्षता आने वाले समय में रोजगार और आर्थिक विकास की सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

शिक्षा, उद्योग और स्टार्टअप के समन्वय पर जोर

कार्यक्रम में डॉ. ऋतु बनावत, ऋषि बंसल, सुरेश सैनी, सुभाष गोयल, अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, परेश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, इंजी. अनुराग अग्रवाल (अरुण आर्या), भवानी सिंह राजावत, शिल्पी आर. पुरोहित, मनीष मित्तल, डॉ. मनोज गुप्ता (प्रो प्रेसिडेंट), डॉ. श्रद्धा आर्या, सोनिया माहेश्वरी, उमाशंकर अरोड़ा, मनीष गुप्ता, गौरव खेतरपाल और सेलिब्रिटी एंकर अंकित खंडेलवाल मौजूद रहे। वहीं आर्या ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी (वीजीयू), पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, वेबक्यूब सहित कई तकनीकी कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों ने भागीदारी की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, उद्योग और स्टार्टअप इकोसिस्टम के बेहतर समन्वय से राजस्थान तकनीकी नवाचार, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना सकता है।

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक, आज एग्जाम होना था

सरकार ने परीक्षा रद्द की, पेपर ठाणे से बरामद; सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी

नई दिल्ली एजेन्सी। महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) का पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल (MSEC) ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। राज्य सरकार ने पेपर लीक की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) गठित कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी TET कंपलसरी है।

बड़े इंतजाम के बाद भी पेपर लीक, 1,729 सेंटर पर होनी थी परीक्षा

राज्यभर में 1,729 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

18,000 AI आधारित CCTV कैमरे लगाए गए थे।

हर केंद्र की निगरानी राज्य और जिला कंट्रोल रूम से होनी थी।

उम्मीदवारों के लिए बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन की व्यवस्था थी।

मेटल डिटेक्टर से जांच की जानी थी।

मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पर रोक थी।

प्रवेश के लिए आधार, पैन, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान पत्र जरूरी थे।

टीईटी पेपर लीक पर सियासी घमासान, राहुल गांधी बोले- हर युवा असुरक्षित, ये भविष्य की चोरी है

नई दिल्ली एजेन्सी। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) 2026 को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को 'वसूली का तंत्र' बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की TET परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का ज़रिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ़ पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है।

इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (MSCE) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। MSCE ने अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा कि NEET 2026 परीक्षा के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को देखते हुए उसने सुरक्षा के सभी ज़रूरी इंतज़ाम किए थे, लेकिन शनिवार की सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास TET प्रश्न-पत्र से जुड़ी जानकारी थी। काउंसिल ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और जांच के दौरान पाया कि अनधिकृत प्रश्न-पत्र के कई सवाल असली TET परीक्षा के प्रश्न-पत्र से मेल खाते थे। बयान के अनुसार, भिवंडी पुलिस ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ़ मामला दर्ज कर लिया है। काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, 28 जून 2026 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं।'

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमला किया

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, कहा- सीजफायर तोड़कर पछताएगा अमेरिका

नई दिल्ली एजेन्सी। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है

ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

होर्मुज में तेल टैंकर पर हमला

ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने शनिवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक तेल टैंकर पर हमला हुआ है। जहाज के कप्तान के मुताबिक, टैंकर को एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हमलावर हथियार) ने निशाना बनाया।

हमले में जहाज के ब्रिज (जहाज का कंट्रोल रूम) को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी तरह के तेल रिसाव की सूचना नहीं है।

यह घटना ऐसे समय हुई है, जब कुछ दिन पहले अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों तथा तटीय रडार केंद्रों पर सैन्य हमले किए थे। अमेरिका का आरोप था कि ईरान ने 25 जून को होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एवर लवली नाम के सिंगापुर के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला किया था।

बहरीन बोला- ईरान ने कई ड्रोनों से हमला किया

बहरीन ने शनिवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे हैं। बहरीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला उसकी संप्रभुता का खुला उल्लंघन है और इससे क्षेत्र में शांति बनाए रखने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा है।

एक्सपर्ट- होर्मुज पर नियंत्रण दिखाने की कोशिश में ईरान-अमेरिका

रोम की अमेरिकन यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट एंड्रिया डेसी का मानना है कि ईरान और अमेरिका दोनों यह दिखाना चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण रखने या वहां गतिविधियों को प्रभावित करने की क्षमता उनके हाथ में है।

डेसी के मुताबिक, हालिया तनाव यह दिखाता है कि ईरान और अमेरिका के बीच हुआ मेमोरेंडम (MoU) बेहद नाजुक स्थिति में है और किसी भी समय टूट सकता है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के हित में यही है कि हालात युद्ध में न बदलें। हालांकि, बातचीत के साथ-साथ अगले 60 दिनों में इस तरह के तनावपूर्ण घटनाक्रम बार-बार देखने को मिल सकते हैं।

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा, घर-दुकानों में मलबा घुसा: एमपी-झारखंड में आंधी-बिजली से 16 मौतें; 22 राज्यों में मानसून पहुंचा

चमोली एजेन्सी। उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को तेज बारिश के बाद बादल फट गया। इससे इलाके के कई घरों और दुकानों में मलबा घुस गया। कई गाड़ियां भी मलबे में फंस गईं। इधर मध्य प्रदेश के बालाघाट में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, देवास में आंधी-बारिश से मकान की बालकनी का हिस्सा गिर गया, इस हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। झारखंड में भी बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई। मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका हुआ है। यह अगले 2 दिन में बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके: अफगानिस्तान में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप का असर, 8 देशों में भी महसूस हुए झटके

नई दिल्ली एजेन्सी। अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 7.04 बजे 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर अफगानिस्तान समेत 8 देश भारत, पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में देखा गया। देश में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में कलाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर था और गहराई 215km थी। श्रीनगर के रहने वाले इम्तियाज अहमद ने बताया कि वह घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए थे। तभी कुर्सी और बिजली की तारें हिलने लगीं। वहीं स्टूडेंट वहीद ने कहा कि वह रास्ते में थे तभी उन्हें हल्के झटके महसूस हुए।

चौधरी कानाराम चोटिया एवं गंगा देवी चोटिया की स्मृति में निर्मित आधुनिक सुविधायुक्त लाइब्रेरी का लोकार्पण

हाईटेक सुविधाओं के साथ शिक्षा का मजबुत आधार स्तम्भ तैयार - गिरधारीलाल महिया पूर्व विधायक

श्रीडूंगरगढ़ (खबर आस पास)। शनिवार को संत कर्मा बाई बालिका छात्रावास श्रीडूंगरगढ़ में चौधरी कानाराम जी चोटिया पुत्र रामनारायण जी चोटिया एवं श्रीमती गंगा देवी धर्मपत्नी चौधरी कानाराम जी चोटिया धीरदेसर चोटियान की स्मृति में निर्मित लाइब्रेरी का लोकार्पण परिवारजन एडवोकेट श्याम सुन्दर आर्य, लुणाराम चोटिया, सहीराम आर्य, ईश्वरराम, राजेन्द्र कुमार, एडवोकेट बजरंगलाल चोटिया द्वारा किया गया । इस अवसर पर लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया ने कहा कि दानदाताओं एवं कर्मशील मैनेजमेंट के सहयोग से इस छात्रावास में हाइटेक सुविधाओं के साथ शिक्षा का मजबुत आधार स्तम्भ तैयार हुआ है जो भावी पीढ़ी के विकास के लिए आवश्यक था । महिया ने कहा समाज के दानदाता मैनेजमेंट कमेठी की पारदर्शिता पूर्ण प्रणाली एवं प्रभावी प्रबन्ध से प्रभावित है, साथ ही अल्प समय में ऐतिहासिक भवन के निर्माण से दानदाता अभिभूत है । मेनेजमेंट कमेठी के अध्यक्ष एडवोकेट श्याम सुन्दर आर्य ने सभी का आभार प्रकट करते हुए समाज के गौरवशाली इतिहास को ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज के प्रत्येक

जन की संस्था में भागीदारी की अपील की ।

इस अवसर पर बीकानेर छात्रावास ट्रष्ट के अध्यक्ष चेतराम थालोड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाराम चौधरी, पी आर गांधी, डॉ विवेक माचरा, दीप्ति चौधरी ने संस्था के इस गौरवशाली इतिहास में योगदानकर्ताओं के योगदान को अनुकरणीय बताते हुए मजबूत शिक्षा व्यवस्था हेतु अपने विचार रखे । संस्था के मंत्री सुशील सेरडिया ने कार्यक्रम का संयोजन करते हुए छात्रावास परिसर में अब तक किए गए कार्यों एवं प्रस्तावित कार्यो का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम में हड़मानाराम भाम्भू, धूड़ाराम डेलु, तुलछीराम गोदारा, नोपाराम जाखड़, मदनगोपाल आर्य, लक्ष्मणराम खिलेरी, पुरखाराम कुकणा, मुलाराम भादू, श्रवणराम जाखड़, भोमराज गाट, किशनाराम गोदारा, पी एल भादू, मोडाराम तरड़, भंवरलाल जानूं, सोहनलाल नैण, सहीराम गोदारा, गिरधारीलाल डेलु, सोहनलाल गोदारा, ताजाराम गोदारा, नेतराम गोदारा, प्रभुराम बाना, मनफूलराम भादू, चांदराम चाहर, तोलाराम जाखड़, हनुमान सारण, सुभाष सिहाग, रामलक्ष्मण गोदारा, कुम्भाराम सिद्ध, मोहनराम कुलड़िया, कोडाराम भादू, हड़मानाराम सारण, सुखराम बाना, राजेश पुनिया, आदूराम, भंवरलाल पोटलिया, तोलाराम हुड्डा, भंवरलाल रिंतोड़, गणेश पोटलिया, सुन्दरलाल गोदारा, मोहनलाल कस्वां, गोपालराम मुण्ड, मोहनलाल भादू, कुम्भाराम गोदारा, धर्मपालसिंह, पटवारी लुणाराम बाना, रेवंतराम चौधरी, तोलाराम सिहाग, एडवोकेट राजूराम जाखड़, केशराराम कड़वासरा, प्रेम कुमार बुड़िया, गोपाल सायच, ओमप्रकाश भादू, रामचन्द्र चोटिया, डालूराम कस्वां, जसवीर सारण, भंवरलाल पूनियां, संतोष गोदारा, मोहनलाल भादू, भंवरलाल सारण, रामेश्वरलाल डेलु, सीताराम सिहाग, धर्मपाल बांगड़वा, शंकरलाल भुंवाल, सुल्तान डूडी, रेवंतराम खिलेरी, लक्ष्मीनारायण भादू, संगीता बेनीवाल, मधु आर्य, कुम्भाराम घिंटाला, डूंगरराम गोदारा, सहीराम सायच, भंवरलाल खिलेरी, सहिराम आर्य, रामचन्द्र गीला, हंसराज गोदारा, जैसाराम कुलड़िया, गोपाल खिलेरी, भंवरलाल जाखड़, पन्नालाल डेलु, रामलाल जाखड़, श्यामसिंह सारण सहित समाज की महिला शक्ति एवं युवा शक्ति उपस्थित रहे । छात्रावास अधीक्षक श्रवण कुमार भाम्भू एवं दानदाता परिवारजन, लुणाराम चोटिया, सहीराम आर्य, ईश्वर राम चोटिया, राजेन्द्र कुमार, एडवोकेट बजरंगलाल चोटिया ने सभी का आभार प्रकट किया ।

राजस्थानी लेखिका संस्थान का 'साळीणो-उछब'

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ना, महिला रचनाकारों को सशक्त मंच प्रदान करना : मोनिका गौड़

जयपुर, (खबर आस पास)। राजस्थानी लेखिका संस्थान (रालेस) द्वारा आयोजित वार्षिक साहित्यिक आयोजन 'साळीणो-उछब' प्रौढ़ शिक्षण समिति, झालाना, जयपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक मोनिका गौड़ ने बताया कि 'साळीणो-उछब' का उद्देश्य राजस्थानी भाषा एवं साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ना, महिला रचनाकारों को सशक्त मंच प्रदान करना तथा साहित्यिक संवाद को नई ऊर्जा देना है। कार्यक्रम में प्रदेशभर के वरिष्ठ एवं युवा साहित्यकारों का सान्निध्य रहेगा तथा राजस्थानी भाषा, साहित्य और संस्कृति पर केंद्रित विविध सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रातः 10:15 बजे उद्घाटन एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार दमयंती कछवाहा करेंगी। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं गीतकार सत्यदेव संवितेंद्र होंगे तथा विशिष्ट अतिथि दिनेश कुमार जांगिड़ 'सारंग' (आईआरएस) रहेंगे। चळकोई फाउंडेशन के अध्यक्ष राजवीर सिंह चळकोई बीज वक्तव्य देंगे तथा संस्थाध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शारदा कृष्ण स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करेंगी।

लोकार्पण एवं पुस्तक चर्चा सत्र आयोजित होगा। इस अवसर पर डॉ. शारदा कृष्ण की कृति 'घर कीं कैवणो चावै' का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही जीनस कंवर की पुस्तक 'रेत नै बणा आरसी' पर युवा साहित्यकार सुनीता बिश्नोलिया एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दर्शना कंवर 'उत्सुक' चर्चा प्रस्तुत करेंगी। संचालन संतोष चौधरी करेंगी। व अध्यक्षता डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा की रहेगी जानकारी देते हुए संस्थान की अभिलाषा पारीक ने बताया कि

'राजस्थानी युवा कविताई रा सुर' सत्र में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवा रचनाकार–अक्षिता (बीकानेर), अनिता सैनी (सीकर), अवंतिका (ब्यावर), जेठानंद पंवार (बाड़मेर), कपिला पालीवाल (जयपुर), गजराज कंवर (नागौर), मीनाक्षी पारीक (रींगस) तथा कृष गौड़ (जयपुर)–अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। संचालन कामना राजावत करेंगी। संस्थान की बिमला नागला ने बताया कि

समापन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र मोहन शर्मा करेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. आशा पांडे ओझा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. सुशीला शील रहेंगी। संचालन मधुर परिहार करेंगे।

जल संरक्षण के लिए परंपरागत जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर दिया जोर

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा गोदित ग्राम रिड़मलसर पुरोहितान में जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

गोदित ग्राम प्रभारी डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की ओर से गोदित ग्राम में संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है, जिसके लिए जनभागीदारी आवश्यक है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल छंगाणी ने कहा कि राजस्थान की परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां सदियों से यहां के जीवन का आधार रही हैं। उन्होंने तालाब, जोहड़, नाड़ी एवं अन्य पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण और पुनर्जीवन पर विशेष बल देते हुए कहा कि वर्तमान जल संकट के समाधान के लिए इन व्यवस्थाओं को पुनः जीवंत बनाना होगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर ठोस प्रयास भी आवश्यक हैं। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा गांव में जल स्रोतों के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वार्ड पंच रिजवान, सोफिन सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हरीश सहारण, बेरिसाल सिंह, नीरज पेंसिया, चार्ल्स बेवेज सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सम्पन्न होने पर डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी ने ग्राम सरपंच रामदयाल गोदारा का कार्यक्रम आयोजन में सहयोग प्रदान करने की लिए आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित ग्राम वासियों को धन्यवाद ज्ञापन किया ।

तेरापंथ भवन में दौ श्री उत्सव का आगाज

लूणकरणसर श्रेयांस बैद। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ भवन में स्टेशन हाउस इंचार्ज गणेश बिश्नोई द्वारा दौ दिवसीय श्री उत्सव का आगाज किया गया इससे पूर्व जैन विधि से संस्कारों द्वारा श्री उत्सव का मंगल भावना पत्रक स्थापित किया गया। महिलाओं के हुनर द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की स्टालों पर अल सुबह से ही अच्छी खरीदारी महिलाओं द्वारा की गई । ग्रामीण परिदृश्य में इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं में उत्साह का संचार हुआ है निर्मित उत्पादों को उचित मंच मिला है ।

बीकानेर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 18 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ एक गिरफ्तार

बीकानेर (खबर आस पास)। बीकानेर पुलिस का ऑपरेशन नीलकंठ जारी है। जिसके चलते हर रोज अलग-अलग क्षेत्रों में अवेध नशीले पदार्थ जब्त किए जा रहा है। इसी कड़ी में एसपी मुदूल कच्छावा के निर्देशन में कोलायत थानाधिकारी जसवीर कुमार की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा के साथ एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने अभियान के दौरान गश्त के समय चक विजयड्क्षसहपुरा से बाला ग्रेवल सड़क पर एक युवक को काबू में किया।

जिसके बाद उसके पास मौजूद कट्टे की तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान कट्टे में करीब 18 किलो अवैध डोडा मिला। पुलिस ने मौके पर आरोपी के पास से अवैध डोडा पोस्त को जब्त कर कोलायत क्षेत्र के रहने वाले सुरेश कुमार पुत्र प्रभुराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जोधपुर-पुणे के बहुचर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में जोधपुर कनेक्शन

जोधपुर (खबर आस पास)। मुख्य आरोपी सिया का कथित प्रेमी चेतन चौधरी निकला जोधपुर का निवासी, जोधपुर के बिलाड़ा क्षेत्र के पलासनी गांव का रहने वाला बताया जा रहा चेतन चौधरी, सूत्रों के अनुसार, दिसंबर 2025 में सिया और चेतन आए थे जोधपुर, जोधपुर की एक 5 सितारा होटल में 2 दिन रूके थे सिया और चेतन, बताया जा रहा है कि दोनों ने होटल में ठहरकर मेहरानगढ़ किले का भी किया था भ्रमण।

मानसून में देरी के बीच सूखने लगे बांध, जोधपुर में संकट, जानिए पूरे राजस्थान की स्थिति

(खबर आस पास)

जयपुर श्रेयांस बैद। जयपुर का ऐतिहासिक रामगढ़ बांध और डीग का सीकरी बांध पूरी तरह सूखे पड़े हैं और इनका जलस्तर कम से कमतर पर बना हुआ है।

टोंक की लाइफलाइन बीसलपुर बांध फिलहाल 65.24% भरा हुआ है।

कोटा का राणा प्रताप सागर बांध 66.66%, कोटा बैराज लगभग पूरा यानी 98.41%, बांसवाड़ा का माही बजाज सागर 43.76% और प्रतापगढ़ का जखम बांध 44.46% क्षमता पर है।

जल संसाधन विभाग की जोन–वार रिपोर्ट पर नजर डालें तो कोटा संभाग पानी के मामले में सबसे समृद्ध स्थिति में है, जबकि जोधपुर जोन में पानी की भारी किल्लत देखी जा रही है।

जयपुर जोन : इस क्षेत्र के 186 बांधों में 46.53% पानी है, जो पिछले साल 35.10% की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है।

कोटा जोन : 81 बांधों में उनकी कुल क्षमता का सर्वाधिक 54.93% पानी उपलब्ध है एवं पिछले साल के 75.34% के मुकाबले काफी कम है।

बांसवाड़ा ज़ोनः 63 बांधों में 43.09% पानी संचित है। उदयपुर ज़ोनः 178 बांधों में 35.93% जलस्तर रिकॉर्ड किया गया है।

भरतपुर जोनः 68 बांधों में पानी का स्तर घटकर केवल23.38% रह गया है।

जोधपुर जोनः पानी का संकट सबसे गहरा है, जहां 117 बांधों में उनकी कुल क्षमता का महज 18.68% पानी ही बचा है। मानसून की देरी बेरुखी से बांध सूखने की स्थिति में आ गए हैं।

जिला कलेक्टर ने ग्रामीण-शहरी सेवा शिविर, संपर्क पोर्टल मानसून की तैयारी और मौसमी बीमारियों की समीक्षा की

ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों को प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। जिला कलेक्टर निशांत जैन ने शनिवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर राज्य सरकार के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं अभियानों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं एवं अभियानों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर-2026 की समीक्षा करते हुए कहा कि शिविरों में प्राप्त होने वाले सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को अधिकतम राहत मिल सके। उन्होंने अधिकारियों से समन्वित रूप से कार्य करते हुए शिविरों को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में उत्साहपूर्वक भागीदारी सुनिश्चित करने, लाभार्थियों का संपूर्ण एवं सही विवरण दर्ज करने तथा किसी भी प्रकार की गलत रिपोर्टिंग से बचने के निर्देश दिए। प्रत्येक शिविर में कम से कम एक स्वयं सहायता समूह का गठन करने, सभी तहसीलदारों द्वारा पटवार मंडलवार समीक्षा करने, अधिकाधिक पट्टे जारी करने तथा कम प्रगति वाली तहसीलों को विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

जिला कलेक्टर ने शिविरों के दौरान विभिन्न विभागों की पूर्व से लंबित परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण करने, अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत अधिक से अधिक पॉलिसियां वितरित करने तथा विद्यालय खुलने के साथ ही पालनहार योजना के लाभार्थियों का नवीनीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मानसून के दौरान जनहानि अथवा पशुहानि की स्थिति में डीएमआईएस पोर्टल पर तत्काल आवेदन दर्ज कराने, शिविरों के दौरान जर्जर सड़कों एवं सरकारी भवनों से संबंधित आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा प्रभारी अधिकारियों को ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी के साथ स्थानीय आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सत्यापन तथा 15 जुलाई तक एनएफएसए के लंबित आवेदनों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शहरी सेवा शिविरों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकाधिक पट्टे जारी करने तथा पीएम स्वनिधि योजना में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक शिविर में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सात दिन में बढ़े संपर्क पोर्टल की प्रगति

संपर्क पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने आगामी सात दिनों में लंबित परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों का आगामी सोमवार तक निस्तारण करने तथा पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक परिवाद का दस दिनों के भीतर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी परिवेदना को एस्कलेट नहीं होने देने, राहत का संतुष्टि स्तर बढ़ाने तथा सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रतिदिन संपर्क पोर्टल की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मानसून पूर्व तैयारियों पर विशेष जोर

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने जलभराव वाले क्षेत्रों को पहले से चिन्हित कर जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कंट्रोल रूम को सातों दिन चौबीसों घंटे सक्रिय रखने तथा सभी उपखंड एवं ब्लॉक स्तर पर एसडीएम, बीडीओ एवं अधिशासी अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को आपदा प्रबंधन एवं मानसून पूर्व तैयारियां समय रहते पूर्ण करने को कहा।

मलेरिया एवं डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश

मौसमी बीमारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने आगामी मानसून को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा जन-जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने जिले में मलेरिया एवं डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा सभी आवश्यक रोकथाम उपाय समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में 'जल संरक्षण जनभागीदारी अभियान' , कर्मभूमि से मातृभूमि तथा हरियालो राजस्थान अभियान की भी समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने जल संरक्षण एवं पौधरोपण गतिविधियों में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप अभियान को गति देने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) रीना छिंपा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी बैठक से जुड़े।

वीबीग्रामजी योजनाः ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों के दो दिवसीय संभाग स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण का सफल समापन

बीकानेर, (खबर आस पास)। सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी (SSAAT), जयपुर तथा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRD-PR), हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान एवं जिला परिषद बीकानेर के सहयोग से VB-GRAMG योजना अंतर्गत ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों के सामाजिक अंकेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन एवं क्षमता संवर्धन हेतु आयोजित दो दिवसीय संभाग स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण का आज हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा), बीकानेर में सफलतापूर्वक समापन हुआ।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर संभागीय नोडल अधिकारी एवं मुख्य प्रशिक्षक श्री नन्दलाल शर्मा, मुख्य प्रशिक्षक श्री सुखविंद्र सिंह (जिला परिषद श्रीगंगानगर) तथा प्रशिक्षक सहयोगी श्री मुकेश पुजारी (जिला परिषद हनुमानगढ़) ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रशिक्षण के विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत चर्चा की।

द्वितीय दिवस के मुख्य सत्र और गतिविधियाँः

सामाजिक अंकेक्षण और नैतिकताः मुख्य प्रशिक्षक श्री नन्दलाल शर्मा द्वारा सामाजिक अंकेक्षण के नियमों, नैतिकता, जोखिम प्रबंधन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों तथा ग्राम स्तर पर प्रभावी सामाजिक अंकेक्षण की व्यावहारिक कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को उत्तरदायित्वपूर्ण एवं निष्पक्ष कार्यशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शिकायत निवारण और लोकपाल व्यवस्थाः मुख्य प्रशिक्षक श्री सुखविंद्र सिंह ने शिकायत निवारण प्रणाली, लोकपाल व्यवस्था, शिकायतों के पंजीकरण, जांच एवं समयबद्ध समाधान की प्रक्रिया सहित सामाजिक अंकेक्षण के दौरान अभिलेख परीक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

सत्र समन्वय एवं सहयोगः प्रशिक्षक सहयोगी श्री मुकेश पुजारी ने प्रशिक्षण गतिविधियों के सफल संचालन, समूह अभ्यास, सहभागितापूर्ण शिक्षण तथा तकनीकी सत्रों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रतिभागियों का निरंतर मार्गदर्शन किया।

मूल्यांकन एवं 'बैलून गतिविधि' से दिया टीम भावना का संदेशः

श्री डूंगरगढ़ ब्लॉक के प्रतिभागी बाबू लाल गर्ग ने बताया कि इस प्रशिक्षण में श्री डूंगरगढ़ ब्लॉक से कुल 7 ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन दिवस पर प्रतिभागियों का पोस्ट-टेस्ट आयोजित कर प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं समझ का मूल्यांकन किया गया।

इसके साथ ही विभिन्न सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें विशेष रूप से आयोजित 'बैलून गतिविधि' ने प्रतिभागियों को यह प्रेरक संदेश दिया कि–

'जीत प्राप्त करने के लिए दूसरों को हराना आवश्यक नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, समन्वय और सामूहिक सफलता ही वास्तविक उपलब्धि है। '

इस गतिविधि ने प्रतिभागियों में टीम भावना, सकारात्मक सोच एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदमः

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आयोजित सभी तकनीकी एवं व्यावहारिक सत्र निर्धारित कार्यक्रमानुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षणों के नियमित आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों के साथ सामूहिक ग्रुप फोटो लिया गया तथा आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

यह प्रशिक्षण ब्लॉक स्तर पर कार्यरत संसाधन व्यक्तियों की क्षमता वृद्धि करते हुए ड्क्क-तन्त्रल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक अंकेक्षण की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही, जनसहभागिता एवं सुशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।